सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 338 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 18 जनवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप किसी चीज के बारे में सोचने में बहुत अधिक समय लगाते हैं, तो आप उसे कभी कर नहीं पाएंगे।
-ब्रुस ली

बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रही योगी... 2 | कांग्रेस की नजर अब कर्नाटक परे... 3 | वरुण की विचारधारा अलग, मिल... 7

केजरीवाल-अखिलेश व वामपंथी नेताओं की रैली में मौजूदगी से दिखी विपक्षी एकजुटता

दक्षिण से मोदी के खिलाफ मोर्चाबंदी में जुट गया विपक्ष

» समाजवादी, वामपंथी और केजरीवाल का साथ आना दे रहा है बड़ा सियासी संकेत

» 2024 में दिल्ली की घेराबंदी के लिए जुटा गया है गैर-कांग्रेस भाजपा विपक्षी खेमा

तेलंगाना की रैली में जुटी लाखों की भीड़, केसीआर ने 2024 के लिये बनाया जबरदस्त प्लान

हैदराबाद और रैली स्थल को अखिलेश यादव के साथ पोस्टरों से पटा गया

विपक्ष के बड़े नेताओं को एक मंच पर लाकर दिये केसीआर ने मजबूत तीसरे मोर्चे के संकेत

दिल्ली-केरल-पंजाब के सीएम तेलंगाना मुख्यमंत्री केसीआर के मंच पर एक साथ आए नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की खम्मम की जनसभा में विपक्षी एकजुटता दिखाई दी। इस जनसभा में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब सीएम भगवंत मान, केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन, समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और भाकपा नेता डी राजा भी शामिल हुए।

तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) का नाम बदलकर बीआरएस किए जाने के बाद यह पहली सार्वजनिक जनसभा है। इस कारण ये जनसभा राजनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण है। इसके अलावा रैली में गैर कांग्रेस-भाजपा विपक्षी दलों आप, सपा और वामपंथी पार्टियों के नेताओं का एक साथ एक मंच पर नजर आना भविष्य के बड़े सियासी संकेत दे रहा है। एक तरह से देखा जाए तो पीएम मोदी के खिलाफ दक्षिण से दिल्ली की मोर्चेबंदी में यह तमाम दल जुट गए हैं। इसके साथ ही देश में तीसरे मोर्चे की सुगबुगाहट तेज हो गयी है। केसीआर ने इस रैली से दक्षिण से मोदी के खिलाफ 2024 के लिए बिगुल फूंक दिया।

केसीआर ने कहा देश तालिबान जैसे हालात देखेगा

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि अगर वे लोगों को बांटते रहे तो देश तालिबान और अफगानिस्तान जैसी स्थिति देखेगा। राव ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर हम धार्मिक असहिष्णुता को बढ़ाते रहे और लोगों को विभाजित करते रहे, तो यह सब एक नरक में बदल जाएगा और हम इस देश में तालिबान और अफगानिस्तान जैसी स्थिति देखेंगे।

कांग्रेस से दूरी और केसीआर के साथ अखिलेश-केजरीवाल

केसीआर की आज की रैली के बाद से देश में लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले तीसरे मोर्चे की सुगबुगाहट तेज हो गई है। तेलंगाना से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ने की कोशिशों में जुटे तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस यानी भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख केसीआर विपक्षी दलों को एकजुट करने में जुटे हैं। कांग्रेस से दूरी के बाद केसीआर के साथ सपा मुखिया अखिलेश यादव और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल का आना इस बात को पुख्ता कर रहा है।

केसीआर ने रचा इतिहास : संतोष

जनसभा में शामिल होने आए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए राज्यसभा सदस्य संतोष कुमार ने कहा कि तेलंगाना की भूमि पर आज सीएम केसीआर एक इतिहास रच रहे हैं। जिस तरह गरीबों और असहाय करोड़ों लोगों की मदद तेलंगाना में की गयी है, वो यह साबित करने के लिये काफी है कि तेलंगाना सरकार कितना शानदार काम कर रही है।

सांध्य दैनिक 4PM
तेलंगाना की इस रैली पर हमारे यूट्यूब चैनल 4PM News Network पर देखिये आज शाम छह बजे परिचर्चा

बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रही योगी सरकार : अखिलेश

» पांच बच्चों की मौत पर पूर्व सीएम ने किया ट्वीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के लखीमपुर जिले में पांच बच्चों की मौत पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा की योगी सरकार को घेरा है। उन्होंने ट्वीट करके लिखा कि पेयजल जैसी बुनियादी जरूरत पूरी न कर पाने वाली भाजपा सरकार के लिए यह आत्मलोचना का गंभीर विषय है, विपक्ष द्वारा आलोचना का नहीं।

सामजिक मुद्दों और आमजन की समस्याओं पर हमेशा सक्रिय रहने वाले सपा मुखिया ने राज्य सरकार पर गंभीर मामलों पर अनदेखी का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि अस्पतालों की हालत खराब है कहीं बेड तो कहीं दवा नहीं मिल रही है। सपा सरकार के समय जो स्वास्थ्य सेवाएं दुरुस्त की गई थी वह भी छिन्न-भिन्न हो गई हैं।

मोहम्मदी कस्बे के मोहल्ला सरैंया में पांच बच्चों की मौत के मामले में पूर्व सीएम एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है कि पांच बच्चों की मौत और नौ के बीमार होने की खबर दुखद है। उन्होंने लिखा है कि पेयजल जैसी बुनियादी जरूरत पूरी न कर पाने वाली भाजपा सरकार के लिए यह आत्मलोचना का गंभीर विषय है, विपक्ष द्वारा आलोचना का नहीं। ज्ञात हो कि लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी के मोहल्ला सरैंया में उल्टी दस्त और बुखार से पांच बच्चों की मौत के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया है।

समाजवादी पार्टी का सोशल मीडिया वॉर रूम तैयार

इटावा। लोकसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी पूरी तरह से जुट गई है। पार्टी ने मीडिया पैनलिस्टों की एक लंबी चौड़ी लिस्ट जारी कर दिए हैं कि पार्टी 2024 के चुनाव के लिए अभी से तैयारियों में लग गई है। पार्टी के मीडिया पैनलिस्टों का काम पार्टी की नीतियों का प्रचार प्रसार सोशल मीडिया प्लेटफार्म यूट्यूब, इंस्टाग्राम और टीवी चैनलों पर करने का रहेगा।

समाजवादी पार्टी की ओर से जारी की गई लिस्ट में डॉ. आशुतोष वर्मा को पहले नंबर पर रखा गया है। वहीं विधान परिषद के पूर्व सदस्य सुनील सिंह साजन को भी स्थान दिया गया है। मुखरता के साथ अपनी बात रखने वाले पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभावी नेता राजकुमार भाटी भी इस लिस्ट में हैं। अमीक जमेई को जहां जगह मिली है वहीं डॉ. राजपाल कश्यप, नेहा यादव, उदयवीर सिंह, आईपी सिंह, निधि यादव, अब्दुल हाफिज गांधी, कीर्ति निधि पांडे, डॉ अभिषेक राय, डॉ अरविंद गुप्ता, अभिषेक मिश्रा, घनश्याम तिवारी और इटावा के पूर्व जिला अध्यक्ष पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री अशोक यादव को भी स्थान मिला है. समाजवादी पार्टी की मीडिया पैनलिस्ट में एक ऐसे नाम को भी शामिल किया गया है जो अपने संवादों के लिए खासे चर्चा में रह चुके हैं और भारतीय जनता पार्टी के निशाने पर रहने के कारण काफी लंबे समय तक जेल की हवा भी खा चुके हैं, जिनका नाम डॉ अनुराग भदौरिया है।

किसान और कानून-व्यवस्था पर जनसंवाद करेगा रालोद

» संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी तय : रामाशीष राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सभी पार्टियों ने अपने-अपने संगठनों में बदलाव शुरू कर दिए हैं। पश्चिमी यूपी में बड़ी राजनैतिक भूमिका निभाने वाले रालोद ने भी अपने नेताओं को नई जिम्मेदारी सौंपना शुरू कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूती देने का काम किया जाएगा। राय ने कहा की पार्टी किसान, कानून-व्यवस्था आदि मुद्दों पर 12 फरवरी से गांव-गांव में जनसंवाद कार्यक्रम चलाया जाएगा।

इसी के तहत रालोद ने 10 कार्यक्षेत्र और 11 मंडलों के अध्यक्ष मनोनीत किए हैं, साथ ही 65 जिलाध्यक्ष भी घोषित किए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी के नामों की घोषणा की। चंद्रकांत अवस्थी को अवध क्षेत्र का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि रणविजय मौर्या को लखनऊ एवं अलगू कसौधन को देवीपाटन मंडल का अध्यक्ष घोषित किया गया है। घोषित किए गए जिलाध्यक्षों में से रफी अहमद सिद्दीकी को लखनऊ, आशीष तिवारी को लखनऊ महानगर, अखिलेश वर्मा को बाराबंकी, सिद्धदेव सिंह को गोंडा, डॉ. अजीमुल्ला खां को बहराइच, राजकुमार ओझा को श्रावस्ती, वाचस्पति कुमार को बलरामपुर, शरद कुमार पांडेय को सीतापुर, बलराम यादव को अयोध्या, बिलाल अहमद को सुल्तानपुर, सज्जन पाठक को अमेठी, समरजीत सिंह को रायबरेली तथा वासुदेव वर्मा को अंबेडकरनगर का अध्यक्ष बनाया गया है।

विधायक और सांसद चले गए पर शिवसेना बरकरार: राउत

» सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद ही हो चुनाव चिन्ह पर फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। संजय राउत ने कहा कि चुनाव आयोग को पार्टी के चुनाव चिन्ह पर तब तक फैसला नहीं करना चाहिए, जब तक कि उच्चतम न्यायालय शिंदे नेतृत्व वाले खेमे के 16 बागी विधायकों की अयोग्यता पर अपना फैसला नहीं दे देता। राउत ने कहा कि शिवसेना में कोई फूट नहीं है। शिवसेना के सिंबल पर जीत हासिल करने वाले टूट गए हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि पार्टी में विभाजन है। यह कथित विभाजन मृगतृष्णा जैसा है। कुछ विधायक और सांसद चले गए हैं, लेकिन पार्टी बरकरार है। जब तक शीर्ष अदालत विधायकों की अयोग्यता पर अपना फैसला सुनाती है, तब तक चुनाव आयोग को चुनाव चिन्ह पर फैसला लेने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। उधर पार्टी के संशोधित संविधान में खामियों पर शिवसेना के एकनाथ शिंदे खेमे की ओर से रखी गई दलीलें विरोधाभासों से भरी हैं। यह बात शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट ने चुनाव आयोग से कही। ठाकरे गुट ने चुनाव आयोग से संगठन के नियंत्रण से जुड़े एक मामले में अपनी दलीलें पूरी करने के लिए और समय मांगा।

तेजस्वी बिहार के नारे पर बिहार में रार, राजद के वार पर जदयू का पलटवार

क्या कम हो रहा नीतीश का जनाधार

» तेजस्वी होंगे बिहार के मुख्यमंत्री, नीतीश की राजनीतिक हैसियत हो चुकी है समाप्त: सम्राट चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजनीति में घमासान जारी है, राजद और जदयू लगातार एक-दूसरे को निशाने पर ले रहे हैं, ये सियासी वार-पलटवार कभी संकेतों में होता है तो कभी खुलकर कभी-कभी कड़े शब्दों में भी, बीते दिनों सुधाकर सिंह और उपेंद्र कुशवाहा में हुए घमासान के बाद अब बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर सियासी चर्चा का विषय बने हुए हैं।

उन्होंने रामचरित मानस विवाद को शुरू करने के बाद अब (तेजस्वी बिहार) का नारा गढ़ दिया और इस ट्वीट करते ही सियासत में उबाल आना शुरू हो गया, जहां शिक्षा मंत्री के ट्वीट पर डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि इसमें हर्ज ही क्या है तो वहीं इस पर सम्राट चौधरी ने मंगलवार को ट्वीट करके सीएम नीतीश के जनाधार पर सवाल उठा दिए हैं, वही जेडीयू नेता ने एक जवाबी ट्वीट करके माहौल को और गर्म कर दिया है। सम्राट चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव बिहार के मुख्यमंत्री होंगे, नीतीश कुमार का जनाधार खत्म हो गया है, उनको अब शर्म आनी चाहिए।

बढ़ता बिहार, नीतीश कुमार: नीरज कुमार

इसी बीच जदयू के नेता नीरज कुमार ने तेजस्वी बिहार के नारे पर पलटवार करते हुए एक ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है बढ़ता बिहार, नीतीश कुमार, उधर शिक्षा मंत्री के ट्वीट के बाद महागठबंधन में फंसी जदयू और राजद दोनों ही के नेता अलग धड़ों में नजर आ रहे हैं। राजद तेजस्वी को डिप्टी सीएम से सीएम बनाने की बात कर रही है, तो जदयू के नेता अपना नेता भी नीतीश कुमार को मान रहे हैं और मुख्यमंत्री भी, देखना यह है कि वार-पलटवार की ये होड़ किस दिशा में जाएगी।

भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या पर बरसे सुरजेवाला

आपातकालीन दरवाजा खोलने के मामले पर घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गत महीने चेन्नई से तिरुचिरापल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई-7339 में एक यात्री के आपातकालीन दरवाजा खोलने के मामले में कांग्रेस के कई नेताओं ने भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस ने ट्विटर पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए दावा किया कि आपातकालीन दरवाजा खोलने वाला व्यक्ति कोई और नहीं, बल्कि तेजस्वी सूर्या हैं। तेजस्वी सूर्या बेंगलुरु दक्षिण से भाजपा सांसद हैं।

पिछले साल 10 दिसंबर को चेन्नई से तिरुचिरापल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई-7339 में एक यात्री ने आपातकालीन दरवाजा खोल दिया था। डीजीसीए ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। सुरजेवाला ने ट्वीट कर कई सवाल किए। उन्होंने कहा कि यह भाजपा के वीआईपी ब्राट्स हैं। आखिर एयरलाइन की शिकायत करने की हिम्मत कैसे हुई? क्या यह सत्ताधारी भाजपा के एलीट क्लास के आदर्श हैं? क्या इससे यात्री सुरक्षा से समझौता हुआ? ओह! आप भाजपा के वीआईपी के बारे में प्रश्न नहीं पूछ सकते!

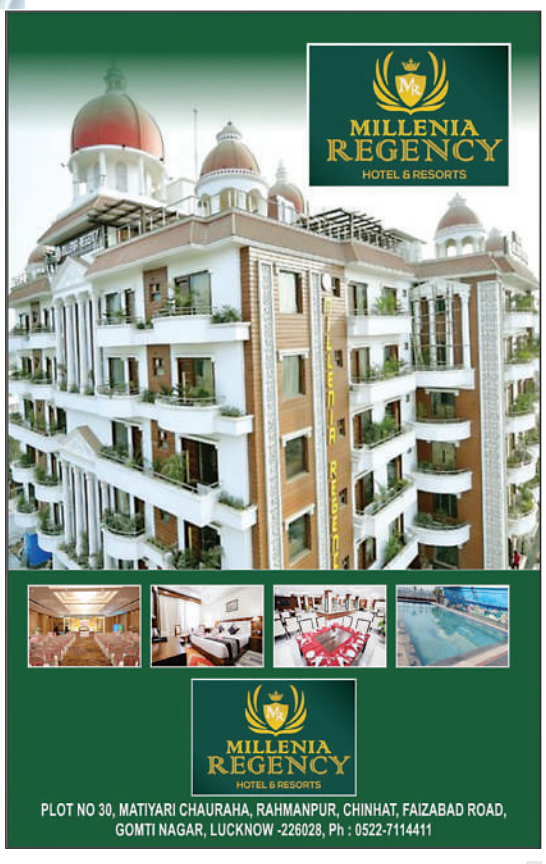

कर्नाटक पर कांग्रेस का फोकस, भ्रष्टाचार पर भाजपा को घेर रहीं हैं प्रियंका गांधी

» महिलाओं को अपने पाले में लाने की मुहिम की तेज

» राज्य के दौरे पर है कांग्रेस महासचिव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2023 में होने वाले राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए जहां सभी दल अपने-अपने कील-कांटे दुरुस्त करने में जुट गए है, वहीं देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने भी अपने हथियार चमकाने शुरू कर दिए हैं। इसी को नजर में रखकर महासचिव प्रियंका गांधी दक्षिणी राज्य कर्नाटक में डेरा डाल चुकी हैं। प्रियंका गांधी ने वहां एक सम्मेलन में वादा किया कि अगर राज्य में कांग्रेस को सत्ता मिली तो घर की प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपये प्रति महीने दिए जाएंगे। राज्य में इस साल मई के आसपास विधानसभा चुनाव होने हैं। हिमाचल प्रदेश में सत्ता दिलाकर प्रियंका गांधी के हौसले बुलंद है। वहीं कर्नाटक कांग्रेस के लिए अहम इसलिए भी है क्योंकि वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का वह गृह राज्य है। प्रियंका जहां राज्यों में दौरे कर रही है वहीं अपने भाई राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा में जगह-जगह शामिल हो उनको भी मजबूत करने मे जुटी है। वह कांग्रेस को मजबूत करने की कोशिश में तो लगी ही हुई है,साथ ही भाजपा सरकार की कमियों को उजागर कर जनता को भी कांग्रेस के पक्ष में खड़ा करने की जुगत में लगी है।

उन्होंने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) द्वारा आयोजित किए गए 'ना नायाकी' कार्यक्रम में वहां की महिलाओं से वादा किया कि सत्ता में आने के बाद 'गृहलक्ष्मी योजना' के तहत गृहणी के खाते में हर साल सीधे 24,000 रुपये ट्रांसफर किए जाएंगे। गौरतलब है कि इससे कुछ ही दिन पहले पार्टी ने राज्य में प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली देने का भी वादा किया था। कांग्रेस ने कहा कि 'गृहलक्ष्मी योजना' का मकसद घरेलू गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और महंगाई की बोझ से दबी गृहणियों की सहायता करना है। कांग्रेस ने कहा कि पार्टी चाहती है कि राज्य में महिलाएं सशक्त हों और अपने पैरों पर खड़े हों। पार्टी ने कहा कि कर्नाटक की हर महिला को कांग्रेस आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। इसी के तहत प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि इस बार चुनाव में राज्य की महिलाओं के लिए अलग से चुनावी घोषणापत्र भी जारी किया जाएगा।

» प्रियंका गांधी ने किया वादा, राज्य में कांग्रेस को सत्ता मिली तो घर की प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपये प्रति महीने दिए जाएंगे।

» जहां प्रियंका राज्यों में दौरे कर रही है, वहीं अपने भाई राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा में जगह-जगह शामिल हो उनको भी मजबूत करने में जुटी हैं।

कर्नाटक के हालात बदतर

कर्नाटक की राज्य सरकार को भी जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि राज्य में मौजूदा भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के मामले में चरम पर है। प्रियंका गांधी ने कहा कि मुझे पता चला है कि कर्नाटक में हालात बहुत खराब हैं। यहां की सरकार में मंत्री हर काम में 40 फीसदी दलाली ले रहे हैं। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में जनता के 1.5 लाख करोड़ रुपये हड़प लिए गए। उन्होंने कहा कि आप सोचें, बेंगलुरु में आठ हजार करोड़ रुपये की लागत से कोई विकास कार्य हुआ है जिसमें से 3,200 करोड़ रुपये दलाली में चले जाते हैं। प्रियंका गांधी ने पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती में कथित घोटाले का उदाहरण दिया और कहा कि राज्य में बिना रिश्वतखोरी के कोई गाड़ी आगे नहीं बढ़ती। उन्होंने सवाल किया, आप अपने बच्चों को इसलिए पढ़ाते हैं कि उन्हें नौकरियां मिले, लेकिन यहां तो पुलिस के पद भी बेचे जा रहे हैं। क्या आप सत्ता में बैठे लोगों से यही उम्मीद करते हैं? उन्होंने कहा कि आज हालत यह है कि ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने, आवास, तबादले से लेकर लगभग हर सरकारी काम के लिए पैसा देना पड़ता है।

भाजपा के येदियुरप्पा फिर सक्रिय

कर्नाटक में बीजेपी भी सत्ता को बरकरार रखने के लिए सक्रिय हो गई है। इसी के तहत पीएम मोदी राज्य के हुबली जिले में रोड शो कर चुके हैं। वहीं दिल्ली में कार्यकारिणी बैठक से अलग उन्होंने कर्नाटक के दिग्गज नेता येदियुरप्पा से मुलाकात की है। बीजेपी के दक्षिण में स्थापित करने वाले येदियुरप्पा का लिंगायत समुदाय पर मजबूत पकड़ मानी जाती है। अभी तक कर्नाटक का ये दिग्गज नेता काफी लो प्रोफाइल रह रहे थे। लेकिन जैसे ही राज्य में चुनाव का वक्त नजदीक आया है येदियुरप्पा फिर से एक्टिव हो गए हैं। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद राज्य के चार बार के सीएम रह चुके येदियुरप्पा के भविष्य को लेकर भी अटकलें शुरू हो गई हैं। येदियुरप्पा के बाद सीएम बनाए गए बोम्मई का कार्यकाल काफी उथल-पुथल भरा रहा है। विपक्षी दल बोम्मई पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते रहे हैं और पेसीएम अभियान तक शुरू कर दिया।

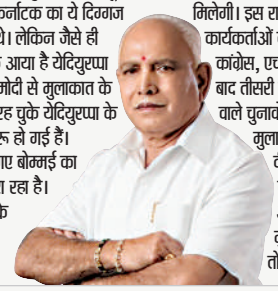

हालांकि, तमाम आरोपों के बाद भी बीजेपी ने कहा कि राज्य के नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा। बीजेपी के मुख्य रणनीतिकार अमित शाह ने कर्नाटक ईकाई को राज्य की कुल 224 सदस्यीय विधानसभा में 136 सीटें जीतने का लक्ष्य सौंपा है। लेकिन यह इतना आसान भी नहीं होने वाला है। कर्नाटक में बीजेपी को कांग्रेस से कड़ी टक्कर मिलेगी। इस राज्य में देश की सबसे पुरानी पार्टी के पास कार्यकर्ताओं का एक मजबूत आधार भी है। कर्नाटक में कांग्रेस, एचडी कुमारस्वामी वाली सरकार के पतन के बाद तीसरी बार बीजेपी सत्ता में आई थी। राज्य में होने वाले चुनावों से पहले पीएम मोदी और येदियुरप्पा की मुलाकात ने राज्य के नेताओं की धड़कनें बढ़ा दी हैं। उधर, कर्नाटक बीजेपी चीफ नलिन कुमार कटील ने भी बीजेपी महासचिव अरुण सिंह से मुलाकात की है। इन मुलाकातों का राज्य में क्या असर होगा ये तो आने वाले समय में पता चल ही जाएगा।

पीएम मोदी भी मंथन में जुटे

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी काफी एक्टिव हो गई है। राज्य में पार्टी के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के इतर हुई मुलाकात के बाद अटकलों का दौर भी शुरू हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी और कर्नाटक के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा के बीच हुई बैठक के बाद कयासों का दौर शुरू हो गया है। दोनों नेता बैठक के इतर मिले। ये मुलाकात करीब 15 मिनट तक चली। माना जा रहा है कि इस बैठक में कर्नाटक विधानसभा चुनावों को लेकर बात हुई है। काफी समय से कर्नाटक में भी सत्ताधारी बीजेपी में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा चल रही है। ऐसे में येदियुरप्पा और पीएम मोदी की मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। राज्य के सीएम बासवराज बोम्मई को लेकर पार्टी के एक धड़े में नाराजगी की खबरें भी आती रही हैं। कर्नाटक के सीएम पद से हटाए जाने के बाद येदियुरप्पा को पार्टी के संसदीय दल में शामिल किया गया है।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से घबराए मोदी!

» समर्थक बोले ये मोदी का तरीका

» विपक्ष ने कहा चुनावी है सब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से घबरा गए हैं मोदी! ऐसा सियासी गलियारे में आजकल चर्चा हो रही है। ये चर्चा दिल्ली में पीएम मोदी के रोड शो करने के बाद हो रही है। लोग ये कह रहे कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से पहले महज आधा किलोमीटर का रोड शो करने का क्या औचित्य। उनके इस छोटे से शो को विरोधियों ने उनकी घबराहट करार दिया है। विपक्ष कह रहा अन्य दलों के नेताओं की सड़क यात्रा में जुट रही भीड़ से मोदी घबरा गए हैं और इसलिए वह इस तरह के आयोजन कर रहे हैं।

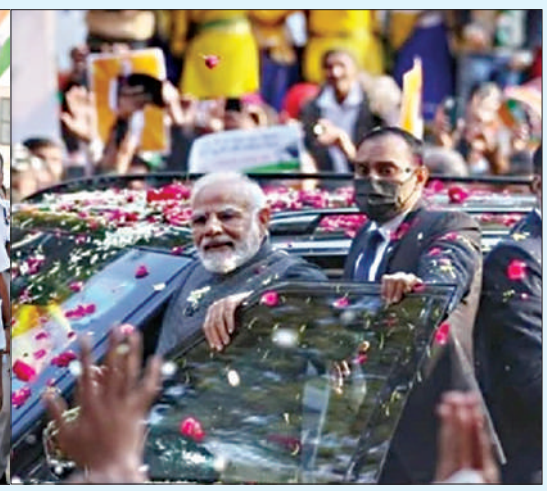

विश्लेषक मानते हैं राहुल गांधी की यात्रा को मिल रहे जन समर्थन से कहीं न कहीं परेशान हैं इसलिये उन्होंने मीडिया का ध्यान भटकाने के लिए रोड शो करने का शिगूफा छोड़ा है। हालांकि समर्थक कह रहे हैं ऐसा कुछ नहीं है मोदी का तरीका है। वहीं विपक्ष ने आरोप लगाया कि वह हमेशा चुनाव को नजर में रखकर ही अपने सारे कार्यक्रम तैयार करते हैं। अटलजी देश की सत्ता पर छह साल तक रहे और उनके समय में भी बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई लेकिन उन्होंने उसमें हिस्सा लेने के लिए कभी रोड शो नहीं किया क्योंकि वे सार्वजनिक जीवन में रहते हुए इसे बेहद बचकाना और ओछी हरकरत माना करते थे। बात चाहे जो हो पर दबी जुबान से ही सही संघ या भाजपा के बहुत से नेता ये कहते हैं कि 2014 से लेकर 23 तक पार्टी में बहुत बदलाव आ गया है। अब कोई भी नेता कुछ भी कहने से बचता है। अब तो सारे फैसले एक जगह से केंद्रित हो रहे हैं।

दिल्ली में बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की शुरुआत हुई जहां कई तरह के प्रस्ताव पास करने के साथ ही बहुत दावे भी किये गए। इसमें कोई शक नहीं कि जो पार्टी केन्द्र की सत्ता में होती है उसे अपने दावों को हकीकत में बदलने में बहुत ज्यादा देर नहीं लगती है, लिहाजा, सियासी तौर पर ये मानकर चलना होगा कि बीजेपी ने अपनी इस बैठक के जरिये एक बड़ा संदेश ये देने की कोशिश की है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से उसे न तो कोई फर्क पड़ा है और न ही वो इससे डरी हुई है बल्कि वो जमीनी स्तर पर खुद को और ज्यादा मजबूत करने के लिए सवा साल पहले ही जुट गई है, यानी मिशन 2024 ही उसका एकमात्र लक्ष्य है जिसके लिए वो हैट्रिक लगाने की तैयारी में है। इसी तरह के आयोजनों से इस वर्ष होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में भी जीत हासिल करना चाहती है। दरअसल, बीजेपी इस बार चुनावी -जीत की हैट्रिक लगाने के लिये अपना सारा फोकस जीती हुई सीटों को दोबारा अपनी झोली में लाने के साथ ही खासकर उन सीटों पर दे रही है जहां पार्टी पिछले चुनाव में दूसरे या तीसरे नंबर पर रही थी। पहले पार्टी ने लोकसभा की ऐसी 144 सीटों का आकलन लगाया था जिसे बढ़ाकर अब 160 कर दिया गया है। इसीलिये पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने 72 हजार बूथों को मजबूत करने का आव्हान किया है। ये सभी वही बूथ हैं जहां बीजेपी को मामूली अंतर से हार का सामना करते हुए दूसरे या फिर तीसरे नंबर पर आना पड़ा था। सूत्रों की मानें, तो अगले सवा साल में देश की इन 160 सीटों पर पीएम मोदी की मेगा रैली कराने की योजना बनाई गई है। वैसे बीजेपी ने पहले जिन 144 सीटों के लिए अपना मास्टर प्लान तैयार किया था उनमें ज्यादातर सीटें पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, तमिलनाडु जैसे राज्यों की हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा सीटें पश्चिम बंगाल की हैं। बंगाल के बाद फिर ज्यादातर सीटें दक्षिण भारतीय राज्यों की है।

पीएम मोदी का दिल्ली में महज आधे किमी का रोड शो

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हिमाचल में हार पर जेपी बरकरार

देश के सबसे बड़े दल भारतीय जनता पार्टी ने अपना राज्य हारे हुए कप्तान को फिर से पार्टी की कमान दे दी। इसका फैसला मंगलवार को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारणी में हो गया। ये पार्टी के मौजूदा अध्यक्ष का लगातार दूसरा कार्यकाल होगा, जो एक साल से कुछ अधिक समय का रहेगा। जेपी नड्डा के पहले कार्यकाल का समय 20 जनवरी को पूरा हो रहा है। उससे पूर्व ही पार्टी ने नड्डा की पुन: ताजपोशी कर दी। इसकी एक बड़ी वजह भाजपा की करिश्माई मोदी-शाह की जोड़ी के जेपी का करीबी होना है। ये जोड़ी चाहती है कि भाजपा में उनके खास सिपाहसालार के हाथों में ही पार्टी की बागडोर रहे। यही वजह है कि एक साल से अधिक समय के लिए फिर से नड्डा को दूसरे कार्यकाल के रूप में अभयदान दिया गया है। दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे और आखिरी दिन यह बड़ा निर्णय 350 वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में लिया गया। इन नेताओं में पार्टी शासित एक दर्जन राज्यों के मुख्यमंत्री, करीब आधा दर्जन डिप्टी सीएम, दो दर्जन से अधिक केंद्रीय मंत्री शामिल रहे। उधर एक वजह यह भी है कि लोकसभा चुनाव में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। जिसके मद्देनजर जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 तक तय कर दिया गया। बता दें भाजपा में लगातार दूसरा मौका पाने वाले नड्डा तीसरे अध्यक्ष हैं। उनसे पहले लालकृष्ण आडवाणी और अमित शाह ही पार्टी में यह कारनामा कर पाए।

दरअसल, नरेंद्र मोदी के मंत्रीमंडल में नड्डा स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं। पीएम मोदी के काफी करीब हैं और उनके हिसाब से ही पार्टी में अधिकांश फैसले लिए जाते रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह को जोड़ दे तो तीनों नेताओं की इसी तिगड़ी के इर्द-गिर्द ही वर्तमान में भाजपा की धूरी घूम रही है। शायद यही वजह है कि इसी साल होने वाले नौ राज्यों के चुनाव और फिर लोकसभा का चुनाव मोदी-शाह अपनी भरोसेमंद टीम के बल-बूते ही लड़ना चाहते हैं। उसी को ध्यान में रखकर जेपी के बरकरार रखने का फैसला लिया गया। इसमें बड़ी बात यह है कि नड्डा के नाम का प्रस्ताव राष्ट्रीय कार्यकारिणी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से कराया गया है जिनको पार्टी में जोड़ी खेमे का विरोधी माना जाता रहा है। इससे विरोध की कहीं कोई गुंजाइश नहीं रह जाती है। एक तरह से देखे तो नड्डा को अध्यक्ष बनाने में भी पार्टी में सेफ दांव चला गया है। हालांकि यह वही नड्डा हैं जो अपने गृह राज्य हिमाचल में भाजपा का कमल खिलाने में नाकाम रहे हैं। जिसके बाद से उनके हटने की अटकलें लगने लगी थी, मगर अपने मजबूत गठजोड़ से उन्होंने पार्टी में विरोधियों को चारों खाने चित कर दिया। गौरतलब है कि 2023 में जिन 9 राज्यों में चुनाव होने हैं, उनमें से 5 राज्यों में भाजपा सरकार में है। जिनको बचाने और तेलंगाना, राजस्थान, मिजोरम व छत्तीसगढ़ राज्य में भाजपा को जिताने का जिम्मा उन पर होगा। यानी नड्डा और भाजपा दोनों के लिए ही आगे का समय चुनौती भरा है जिससे उन्हें दो-चार होना होगा। ऐसे में यह वक्त ही बताएगा कि भाजपा का ये फैसला उसके लिए कितना मुफीद होगा।

संजय

> एक साल से अधिक समय के लिए फिर से नड्डा को दूसरे कार्यकाल के रूप में अभयदान दिया गया है। दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे और आखिरी दिन यह बड़ा निर्णय 350 वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में लिया गया। इन नेताओं में पार्टी शासित एक दर्जन राज्यों के मुख्यमंत्री, करीब आधा दर्जन डिप्टी सीएम, दो दर्जन से अधिक केंद्रीय मंत्री शामिल रहे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नेपाल में इतने ज्यादा क्यों हो रहे हैं प्लेन क्रैश

राजेश मिश्र

नेपाल में हुए 'प्लेन क्रैश' पर सरकार ने राष्ट्रीय शोक का एलान करते हुए सोमवार को छुट्टी की घोषणा की। मगर लगातार होती विमान दुर्घटनाओं से चिंतित नेपाली नागरिक इस 'सरकारी छुट्टी' के खिलाफ दिखे। नेपाली नागरिकों का कहना है कि सरकार छुट्टी न दे, पुराने विमान और हवाई क्षेत्र में व्याप्त खामियों की छुट्टी करे। रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हुआ यति एयर का विमान काठमांडू-पोखरा-काठमांडू से आना-जाना करने के बाद तीसरी बार पोखरा के लिए उड़ा था। सुबह 10:33 पर उड़े इस विमान को इसी महीने पोखरा में खुले इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर 10:52 पर लैंड करना था। पोखरा का मौसम अच्छा था। लैंड करने की अनुमति पाकर लैंडिंग के लिए 'फाइनल एप्रोच' करते वक्त 10:50 पर विमान से एटीसी का संपर्क टूट गया। फिर विमान एयरपोर्ट के पास में ही सेती नदी में पहाड़ों के बीच क्रैश हुआ मिला। अभी तक दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चला है। सरकार ने इसकी जांच के लिए बनाई कमेटी को 45 दिन का वक्त दिया है, इसके बाद ही हादसे के कारणों का पता चलेगा।

8 महीने पहले 29 मई को पोखरा सेजोमसोम जा रही तारा एयर का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था और उसमें सवार सभी 22 लोगों की मौत हो गई थी। तारा एयर रविवार को पोखरा में दुर्घटनाग्रस्त हुए यति एयरलाइंस की ही दूसरी कंपनी है। उस घटना को लोग भूल भी नहीं पाए थे कि यति एयरलाइंस का दूसरा विमान भी क्रैश हो गया। नेपाली वर्ष 2079 के भीतर यह दूसरी दुर्घटना है तो यति एयर की स्थापना के 24 वर्षों में उसकी 11वीं है। दुर्घटनाग्रस्त विमान यूरोपियन एटीआर टर्बो जेट विमान कंपनी का बनाया हुआ था। नेपाल में आंतरिक उड़ान के लिए पिछले डेढ़ दशक से एटीआर विमान का प्रयोग ज्यादा रहा है। नेपाल में एटीआर की यह पहली दुर्घटना है। नेपाल में हवाई सेवा शुरू हुए साढ़े छह दशक हो चुके हैं। इस बीच एयरपोर्ट, निजी विमान कंपनी और विमानों की संख्या में अच्छी-खासी प्रगति हुई है। मगर साथ ही दुर्घटनाओं की संख्या भी 'थ्री डिजिट' पार कर चुकी है।

67 वर्षों के इतिहास में यहां छोटी-बड़ी मिलाकर 104 हवाई दुर्घटनाएं हुई हैं। इनमें से 60 दुर्घटना में अभी तक 900 लोग मारे जा चुके हैं। आंतरिक उड़ानों में अभी तक हुआ यह सबसे बड़ा हादसा है। रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में 72 लोग सवार थे। 68 के शव मिल चुके हैं, 4 की खोज जारी है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सन 1992 में दो बड़ी दुर्घटनाएं हुई थीं। काठमांडू के पास पाकिस्तान एयरलाइंस की दुर्घटना में 167 और थाई एयरवेज दुर्घटना में 113 लोगों की मौत हुई थी। हिमालयी क्षेत्र होने के कारण नेपाल में हर जगह सड़क नहीं है। ऐसे में लोग हवाई यात्रा पसंद कर रहे हैं। लेकिन बढ़ती विमान दुर्घटनाओं के चलते लोगों को शक है कि विमानों के नियमित परीक्षण में ढिलाई, ट्रेंड स्टाफ की कमी, पायलट और इंजीनियरों की सेवा-सुविधा में कमी जैसे कारकों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। सरकारी नियमों का कड़ाई के साथ पालन न करते हुए विमान उड़ाने वाली कंपनियां खूब लापरवाही बरत रही हैं। नेपाल के सिविल एविएशन अथॉरिटी की एविएशन सेफ्टी रिपोर्ट-2022 में हवाई दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण देश की भौगोलिक अवस्था को बताया है। गहरे बादल के भीतर गुम होकर पहाड़ों से टकराने की घटना सबसे ज्यादा देखी गई है। 2012 में काठमांडू से लुक्ला के लिए उड़ा सीता एयर का डोर्नियर विमान काठमांडू विमानस्थल के पास में ही क्रैश हो गया था। दुर्घटना का कारण चील से टकराना बताया गया।

नेपाल में हवाई सेवा शुरू हुए साढ़े छह दशक हो चुके हैं। इस बीच एयरपोर्ट, निजी विमान कंपनी और विमानों की संख्या में अच्छी-खासी प्रगति हुई है। मगर साथ ही दुर्घटनाओं की संख्या भी 'थ्री डिजिट' पार कर चुकी है। 67 वर्षों के इतिहास में यहां छोटी-बड़ी मिलाकर 104 हवाई दुर्घटनाएं हुई हैं। इनमें से 60 दुर्घटना में अभी तक 900 लोग मारे जा चुके हैं।

उसमें 19 लोग मारे गए थे। उस घटना के बाद दुनिया भर में नेपाल की उड़ान सुरक्षा को लेकर सवाल उठे। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन ने नेपाल को 'रेड लिस्ट' में रखा। यूरोपियन यूनियन ने अपने यहां नेपाल की वायुसेवा पर प्रतिबंध लगा दिया। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन की रेड लिस्ट से नेपाल चार वर्षों में हट गया, लेकिन यूरोपियन यूनियन का प्रतिबंध नहीं हटा है। अब पोखरा में हुए हादसे के बाद नेपाल की हवाई यात्रा को लेकर एक बार फिर इंटरनैशनल लेवल पर सवाल उठेंगे।

गांव का ऐतिहासिक सांस्कृतिक अध्ययन

डॉ अनुज लुगुन

किसी गांव का नाम सुनने पर स्वाभाविक जिज्ञासा होती है कि उसका नाम कैसे पड़ा होगा. अमूमन हम इन प्रश्नों को नजरअंदाज कर देते हैं. लेकिन जब हम ऐसा करते हैं तो क्या उस स्थान से जुड़े ऐतिहासिक-सांस्कृतिक संदर्भों को विस्मृति की खाई में नहीं धकेल देते हैं? क्या हम अवचेतन में जड़ जमाये औपनिवेशिक मन:स्थितियों की वजह से ही ऐसा व्यवहार नहीं करते हैं?

पुराने समय की बात है। रांची से सुदूर दक्षिण में मुंडा लोग सेंदेरा (शिकार) करने गये। उन्हें एक हिरण मिला। भागता हुआ हिरण अचानक कुत्ते के सामने आ गया। तेजी से अचानक सामने आये हिरण को देख कर कुत्ता डर गया। जिस स्थान पर कुत्ता डर गया था, मुंडाओं ने उस स्थान का नाम 'बोरोसेता' रख दिया। इसी तरह जिन-जिन जगहों से होकर हिरण गुजरा और जहां उसका सेंदेरा किया गया, उन स्थानों का उसी तरह नामकरण कर दिया गया। इस तरह आस-पास के गांवों का नामकरण हुआ। बोरोसेता यानी 'कुत्ता डर गया।' मुंडारी भाषा का यह शब्द 'बोरो' और 'सेता' के समास सेबना है। 'बोरो' का अर्थ है 'डरना' और 'सेता' का अर्थ 'कुत्ता' है। बोरोसेता झारखंड में सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड के एक गांव का नाम है। उसके आसपास अब सड़क आदि परियोजनाओं की वजह से जंगल कम हो गये हैं, लेकिन यह गांव अपने नाम की व्युत्पत्ति में जंगल के होने के अर्थ को समाहित किये हुए है।

किसी गांव का नाम सुनने पर स्वाभाविक जिज्ञासा होती है कि उसका नाम कैसे पड़ा होगा। अमूमन हम इन प्रश्नों को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन जब हम ऐसा करते हैं तो क्या उस स्थान से जुड़े ऐतिहासिक-सांस्कृतिक संदर्भों को विस्मृति की खाई में नहीं धकेल देते हैं? क्या हम अवचेतन में जड़ जमाये औपनिवेशिक मन:स्थितियों की वजह से ही ऐसा व्यवहार नहीं करते हैं? ये सामान्य सवाल नहीं हैं। ब्रदर जोसेफ कंडुलना ने अपनी किताब 'अबुअ: हतु बोरोसेता' में इस गांव का विस्तृत कुर्सी नामा लिखा है। मुंडारी, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में सम्मिलित रूप से लिखी उनकी किताब सामाजिक संरचना के अध्ययन एवंस्थानीय इतिहास लेखन की दिशा में विलक्षण प्रयोग है। आदिवासी गांवों की विशेषता यह होती है कि उनमें प्राचीन काल से ही 'पत्थलगड़ी' की जाती है। गांव बसाने वाले प्रथम पूर्वज से लेकर अब तक के बुजुर्गों के बारे में विशाल पत्थरों पर खुदाई की जाती है। किताब के लेखक के अनुसार बोरोसेता गांव को बसाने वाले प्रथम पूर्वज बड़सी मुंडा थे।

उन्होंने बीहड़ जंगल को साफ कर गांव बसाया था। उनके द्वारा हमें मुंडाओं की ऐतिहासिक बसाहट और उनके भ्रमण के बारे में जानकारी मिलती है, साथ ही आदिवासियों के साथ गैर-आदिवासियों यानी सदानों के आदिवासी अंचलों में बसने की कथा भी मिलती है। लेखक के अनुसार बोरोसेता में मूलत: 'कंडुलना' किली यानी गोत्र के लोगों का निवास है। ये लोग रांची के निकट खटंगा गांव से विभिन्न जगहों में बसते चले गये। किली या गोत्र के निर्माण की ऐतिहासिक एवं रोचक प्रक्रिया मुंडा जनश्रुतियों में मौजूद है। प्राचीन काल में झारखंड की वर्तमान राजधानी रांची मुंडाओं का गढ़ था। कालांतर में मुंडाओं का भ्रमण बड़े पैमाने पर रांची से पूरब और दक्षिण की ओर हुआ। उसी क्रम में बड़सी मुंडा का आगमन इस ओर हुआ। बोरोसेता के पत्थर पर उल्लेखित कुर्सी नामा के अनुसार 1690 के लगभग बड़सी मुंडा यहां आये। बाद में दूसरे किली के मुंडा भी आकर यहां बसे, साथ ही साहू और सिंह समाज के लोग भी आये।

कुर्सी नामा लिखते हुए लेखक ने सभी सामाजिक समूहों का ध्यान रखा है। उन्होंने सभी समूहों की वंशावली प्रकाशित की है। आज इस गांव में जो चौक और बाजार बने हैं, उनका नामकरण भी गांव के पूर्वजों के नाम पर है। यह पूर्वजों के प्रति स्थानीय लोगों का सम्मान तो है ही, यह उस सांस्कृतिक वर्चस्व के विरुद्ध भी की गयी प्रतिक्रिया है, जो बाहर से संस्कृति के नाम पर आयातित होकर आता है। यह गांव किसी समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक निर्मिति और उसके परिवर्तन का सूचक है। यह उस समाजशास्त्र का सूचक है, जिससे झारखंड का समाज बना है। यह भारतीय सामाजिक संरचना में मौजूद विविधता का द्योतक भी है। समाजशास्त्री एमएन श्रीनिवास ने अपनी पुस्तकों में गांव की सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना को समझने की कोशिश की। ऐसा अध्ययन समाजशास्त्र के साथ इतिहास लेखन को भी नया आयाम देता है। लेकिन इतिहास के मामले में कई बार हम इतने अभिजनवादी हो जाते हैं कि अपने ही पूर्वजों के इतिहास को नजरअंदाज कर जाते हैं। उनकी जिजी विषा और ज्ञान परंपरा सेखुद को दूर कर लेते हैं। किसी गांव के नाम की व्युत्पत्ति के द्वारा उसके इतिहास को समझने की कोशिश के बहुत कम उदाहरण हैं। हमारे मानस में यह बात बैठी हुई है कि किसी स्थान या जगह को राजा-महाराजा या प्रभुत्वशाली लोगों द्वारा ही बसाया जाता है। समाजशास्त्री बद्री नारायण के अनुसार लोक संस्कृति में निहित इतिहास को डिकोड किया जाना चाहिए। बोरोसेता गांव के नामकरण से जुड़ी लोक कथा को डिकोड करने पर हम आदिवासी जनों की रचनात्मकता, स्वायत्तता और जीवटता से परिचित होते हैं। यह ऐसी प्रवृत्ति है, जो उनकी मौलिक चेतना को दर्शाती है। हम अपनेगांवों का अध्ययन कर इस दिशा में पहल कर सकते हैं और ज्ञान एवं संस्कृति के क्षेत्र में गहरे धंसे औपनिवेशिक वर्चस्व के विरुद्ध हस्तक्षेप कर सकतेहैं।

सर्दियों में रहता है वजन बढ़ने का खतरा

सर्दियों का मौसम कई प्रकार से हमारी सेहत के लिए चुनौतीपूर्ण माना जाता है। तापमान गिरने के साथ न सिर्फ सर्दी-जुकाम होने का समस्या बनी रहती है, साथ ही कुछ प्रकार के क्रोनिक दर्द की दिक्कत भी आपको परेशान कर सकती है। इन सबके बीच इस मौसम में मोटापे को भी साइलेंटली बढ़ने वाली समस्या के तौर पर जाना जाता है, यानी कि आपको पता भी नहीं चलता है और इस मौसम में आपका वजन बढ़ जाता है। वजन को कंट्रोल में रखना सभी लोगों के लिए बहुत आवश्यक है। अध्ययनों से पता चलता है कि सर्दी के मौसम में लोग अधिक खाते हैं, इसके सापेक्ष शारीरिक गतिविधियां काफी कम हो जाती हैं। लोगों का ज्यादातर समय घरों के भीतर ही बीत जाता है जिसके कारण वजन बढ़ने की समस्या हो सकती है। सर्दियों के ज्यादातर आहार भी हाई-कार्ब्स और मीठी चीजों से भरपूर होते हैं जिसके कारण वजन बढ़ने का खतरा बना रहता है। ऐसे में सभी लोगों को इन दिनों में खान-पान और शारीरिक सक्रियता पर खास ध्यान देने की आवश्यकता होती है, जिससे वजन को कंट्रोल में रखा जा सके।

व्यायाम से पाएं आराम

सर्दियों में अक्सर लोग व्यायाम से दूरी बना लेते हैं, इसे वजन बढ़ाने वाले प्रमुख कारक के तौर पर जाना जाता है। व्यायाम से न सिर्फ आप अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करके वजन को कंट्रोल कर सकते हैं साथ ही यह आपको हृदय रोग और डायबिटीज की जटिलताओं से बचाने के लिए भी जरूरी है। नियमित व्यायाम की आदत आपके मूड को ठीक रखने के लिए भी लाभकारी है।

अपनी डाइट में फलों, सब्जियों, नट्स और सीड्स करें शामिल

वजन बढ़ने का कारण

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैसे तो कई कारण वजन बढ़ने की समस्या के लिए जिम्मेदार माने जा सकते हैं, पर सर्दियों में वजन बढ़ने का मुख्य कारण कैलोरी का अधिक सेवन करना है। इसके अलावा शारीरिक गतिविधियों में कमी, सेंडेंटरी लाइफस्टाइल के कारण भी जोखिम बढ़ जाता है। वजन को कंट्रोल में रखने के लिए जरूरी है कि हम सभी आहार पर ध्यान देने के साथ नियमित रूप से अतिरिक्त कैलोरी बर्न करने के लिए व्यायाम जरूर करें। कुछ बातों का ध्यान रखकर वजन को कंट्रोल रखा जा सकता है।

खान-पान पर दें ध्यान

सर्दियों के इस मौसम में आहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है, विशेषकर अधिक कैलोरी और कार्ब्स वाली चीजों को खाने से बचना चाहिए। चाहे आप वजन बढ़ाने या घटाने की कोशिश कर रहे हों, प्रोटीन आपके आहार का मुख्य हिस्सा होना चाहिए, मेटाबॉलिज्म के लिए यह बहुत आवश्यक है। इसके अलावा इस मौसम में आहार में फाइबर वाली चीजों को भी जरूर शामिल करें, इससे पाचन स्वास्थ्य ठीक रहता है और अधिक खाने की इच्छा को कंट्रोल किया जा सकता है।

धूप में बिताएं कुछ पल

सर्दियों के इस मौसम में सुनिश्चित करें कि रोजाना आप कुछ समय धूप में जरूर बिताएं, ये न सिर्फ आपको विटामिन-डी की जरूरतों को पूरा करने में मददगार है साथ ही मोटापे की समस्या से बचाने में भी इसके लाभ हो सकते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि धूप में समय बिताने से फैट सेल्स बढ़ने नहीं पाते हैं जिससे वजन को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। बढ़ते वजन की समस्या सभी लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाली मानी जाती है।

हंसना मना है

टीचर: बताओ सबसे नशीला पदार्थ कौन सा होता है? पप्पु: किताब है सर, साला खोलते ही नींद आ जाती है।

बच्चा मेडीकल वाले से: अंकल, गोरा करने वाली कोई क्रीम है? मेडिकल वाला: हां है.. शरारती बच्चा: तो साले, लगाता क्यों नहीं? रोज तेरा मुंह देखकर डर जाता हूं!

डॉक्टर: पप्पु अब तुम्हारी पत्नी कैसी है? पप्पु: अब काफी सुधार है उसकी तबियत में, आज सुबह तो थोड़ी बहुत लड़ाई भी की उसने।

2 हफ्तों से ज्यादा खासी टीबी बन जाती है.. अगर टाइम पे गर्लफ्रेंड ना चेंज करो तो वो बीबी बन जाती है।

गर्लफ्रेंड: मेरी याद आती है तो तुम क्या करते हो? बॉयफ्रेंड: तुम्हारी पसंदीदा चोकलेट खा लेता हूं। और तुम क्या करती हो मेरी याद आये तब, गर्लफ्रेंड: मैं भी 'विमल' खा लेती हूं।

सावधान इंडिया! मेरे हिसाब से दुनिया में, सतर्क इन्सान वही है, जो इन्सान टॉयलेट में बैठने से पहले, पानी का नल चला कर देख ले, की पानी आ रहा है की नहीं।

कहानी | लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बड़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बड़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहूलुहान कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियां ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

कहानी से सीख: हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। साथ ही दूसरों की लड़ाई में नहीं कूदना चाहिए, इससे हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज जातकों के जीवन में चली आ रही स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। अपने उत्साह को काबू में रखें, क्योंकि ज्यादा खुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, लेकिन मानसिक रूप से काफी तनाव महसूस होगा और कुछ खर्चे भी बढ़ेंगे। काम के क्षेत्र में आपको किसी पर निर्भर रहकर काम करना होगा।

मिथुन

आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। थोड़ी-सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

कर्क

आज अगर इंटरव्यू देने जाएं तो दिमाग ठण्डा रखें। जल्द ही शुभ समाचार की प्राप्ति होने लगेगी। आप अपनी काबिलियत के बदौलत सब कुछ करने का प्रयास कर सकते हैं।

सिंह

आपके लिए आज का दिन किसी यात्रा पर जाने का संकेत है। यात्रा आपके लिए अच्छी रहेगी। आपके भाई बहनों को भी सुख मिलेगा और उनसे आपके संबंध बेहतर बनेंगे।

कन्या

आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। ऑफिस में सभी लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। अचानक नए स्रोतों से हुआ धन लाभ आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा।

तुला

पार्टनर से संबंध अच्छे होंगे। किसी से तभी दोस्ती करें जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उसे भली-भांति समझ लें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी रहेगा।

वृश्चिक

आपके लिए दिन मिलाजुला रहेगा। दिन की शुरुआत अच्छी आमदनी से होगी। वहीं दिन चढ़ने के साथ-साथ खर्चे बढ़ जाएंगे। आपको सर्दी खांसी की शिकायत भी हो सकती है।

धनु

आज आपका दिन शानदार रहेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। छात्रों को शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे।

मकर

आज आपका सबसे बड़ा सपना हकीकत में बदल सकता है। छोटी दूरी की सुखद यात्रा हो सकती है। पत्नी से संतुष्टि तथा सुखद स्थिति का निर्माण होगा।

कुम्भ

आपके लिए आज का दिन सुकून भरा रहेगा। जो मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान थे उनकी समस्या दूर होगी। कार्यों में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

मीन

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। लक्ष्य निर्धारित करने के लिए आप कोई नई योजना बना सकते हैं। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल हो सकते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

एक्टर्स की मोटी फीस पर अब भूषण कुमार का निकला गुस्सा

बॉलीवुड फिल्में पिछले कुछ समय लगातार बॉक्स ऑफिस पर धाराशायी हो रही हैं। इस कारण मेकर्स को काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है। हालांकि, इस कारण बॉलीवुड फिल्मों में हीरो का किरदार निभाने वाले एक्टर्स की कमाई पर शायद कोई फर्क नहीं पड़ा। बल्कि, वक्त के साथ एक्टर्स की फीस बढ़ती जा रही है। अब इस एक्टर्स की फीस के मुद्दे को लेकर टी-सीरीज के मालिक और निर्माता भूषण कुमार ने काफी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने इस मामले में बेबाकी से अपनी राय रखी है। हाल ही में भूषण कुमार ने अपने एक इंटरव्यू में कहा, इंडस्ट्री के ज्यादातर एक्टर्स मार्केट को समझते हैं और इसी के हिसाब से अपनी फीस भी लेते हैं। वहीं, कुछ ऐसे एक्टर्स भी हैं जो अपनी मुंह मांगी फीस पर अड़े रह जाते हैं। ऐसे में कई निर्माता उनके साथ काम ही नहीं करना चाहते, क्योंकि बड़े बजट की फिल्मों में कई बार मेकर्स को भारी नुकसान झेलना पड़ा है, जो मेकर्स के लिए बिल्कुल ठीक नहीं होता। इसे खासतौर पर तब और बुरा कहा जा सकता है कि जब एक्टर ने उसी फिल्म से अच्छी-खासी कमाई कर ली हो। भूषण ने आगे कहा, अब भी कई ऐसे एक्टर्स हैं जो अपनी फीस कम करने से इंकार कर देते हैं। ऐसे में हम भी उनसे कह देते हैं कि हमें भी उनके साथ काम नहीं करना। हम क्यों इतना नुकसान उठाएं, जबकि आप इतनी बड़ी रकम कमा रहे हैं। निर्माता ने बताया कि अब फिल्म मेकिंग में दोनों तरफ से मुनाफे को लेकर जोर दिया जाता है। उन्होंने कहा, अगर कोई एक्टर बजट से बाहर जाता है तो उससे बात करके चीजें मैनेज करने की कोशिश की जाती है। गौरतलब है कि भूषण कुमार से पहले मशहूर फिल्मकार करण जौहर ने भी एक्टर्स की बेहिसाब फीस और फ्लॉप फिल्में देने को लेकर काफी गुस्सा दिखाया था।

मिशन मजनू के लिए रश्मिका मंदाना को लेनी पड़ी ट्रेनिंग

साउथ फिल्मों में अपनी अदाकारी से दुनियाभर के लोगों के दीवाना बनाने वाली रश्मिका मंदाना आज नेशनल क्रश बन चुकी हैं। ये उनकी शानदार एक्टिंग का ही कमाल है कि एक्ट्रेस के कई बॉलीवुड फिल्मों के भी ऑफर्स मिलने लगे हैं। इन दिनों वह अपनी अकमिंग फिल्म मिशन मजनू के प्रमोशन में काफी व्यस्त चल रही हैं। इश फिल्म में उन्हें सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ रोमांस करते हुए देखा जा रहा है। रश्मिका ने ही हाल में खुलासा किया है कि उनके ये फिल्म काफी मुश्किल रही।

रश्मिका ने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि जब उन्हें मिशन मजनू का ऑफर मिला तो वह समझ ही नहीं पा रही थीं कि इस किरदार को कैसे निभाएंगी। उनके लिए यह एकदम नया और मुश्किल भरा सफर रहा।

रश्मिका ने बताया, इस फिल्म में मुझे सामने वाले शख्स को नहीं देखना था, लेकिन मैं यहां वहां भी नहीं सकती थी। मैं तारिक (सिद्धार्थ मल्होत्रा) की आंखों में नहीं देख सकती थी और ऐसा करना बहुत मुश्किल था। हालांकि, मैंने शूटिंग के दौरान खूबसूरत पलों को जीया। यह एक चैलेंजिंग रोल था, जिसे किसी भी हाल में पूरा करना ही था।

रश्मिका ने बताया कि मिशन मजनू में अपने किरदार के लिए उन्हें बकायदा ट्रेनिंग लेने की जरूरत पड़ी थी। इस फिल्म में एक दृष्टिहीन पाकिस्तानी लड़की की भूमिका में दिख रही हैं। रश्मिका ने बताया, उन्होंने इससे पहले कभी इस तरह का रोल नहीं किया था। यह एक रेट्रो फिल्म है। इसमें मेरा ड्रेसिंग सेंस बिल्कुल अलग है यहां तक कि मुझे सीन्स के लिए ट्रेनिंग तक लेनी पड़ गई। खासतौर पर दृष्टिबाधितों की बॉडी लैंग्वेज को समझने के लिए एक मुश्किल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ता है।

रश्मिका ने आगे बताया, इस फिल्म की शूटिंग से पहले कुछ हफ्तों तक मैं टैक्सिंग वर्कशॉप ले रही थी। इस ट्रेनिंग के दौरान आपकी आंखों पर पट्टी बांध दी जाती है और आप पर टेनिस बॉल फैंकते हैं, ताकि आप आंख बंद करके भी पता लगा सकें कि वह कहां से आ रही है। इस ट्रेनिंग के बाद मेरे सिर में तेज दर्द होता था। यह एक मुश्किल और बहुत दर्दभरा अनुभव था। गौरतलब है कि शांतनु बागची के निर्देशन में बनी फिल्म मिशन मजनू। एक स्पाई थ्रिलर फिल्म है। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा एक भारतीय जासूस का किरदार निभा रहे हैं, जिन्हें एक मिशन पर पाकिस्तान भेजा जाता है। फिल्म में परमीत सेठी, रजित कपूर, कुमुद मिश्रा, अर्जन बाजवा और शारिब हाशमी जैसे सितारे भी अहम किरदारों में दिखाई दे रहे हैं। यह फिल्म सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 20 जनवरी, 2023 को स्ट्रीम की जाएगी।

बॉलीवुड | मसाला

आरआरआर ने एक और अवॉर्ड किया अपने नाम

एस एस राजामौली की फिल्म आरआरआर ने देश का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। हाल ही में इस फिल्म के नाटू-नाटू गाने के लिए एमएम कीरवानी ने गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड और बेस्ट म्यूजिक कोर अवॉर्ड जीतकर इतिहास रच दिया था। इस बीच फिल्म के नाम एक और उपलब्धि हो गई है।

दिग्गज फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित और राम चरण-जूनियर एनटीआर स्टारर फिल्म आरआरआर ने भारत को एक और बार गर्व महसूस कराया है। गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में बाजी मारने के बाद अब 28वें क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स में भी फिल्म को दो अवॉर्ड मिले हैं।

आरआरआर ने बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म के लिए क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड जीता है। अमेरिका में एमएम कीरावानी के बनाए हुए नाटू-नाटू गाने को लॉस एंजेलिस फिल्म क्रिटिक्स की ओर से बेस्ट म्यूजिक कोर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार को पाने के बाद गाने के कंपोजर कीरावनी काफी खुश नजर आए। किरावानी ने आरआरआर के डायरेक्टर राजामौली को उन पर विश्वास करने और पूरी छूट देने के लिए धन्यवाद दिया।

आरआरआर दो तेलुगु स्वतंत्रता सेनानियों, अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम के जीवन पर आधारित एक फीचर स्टोरी फिल्म है। इसमें राम चरण और जूनियर एनटीआर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। देश के साथ विदेशों में भी इस फिल्म ने अच्छा बिजनेस किया था। जानकारी के मुताबिक फिल्म ने दुनिया भर में 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी। फिल्म में आलिया भट्ट, अजय देवगन भी नजर आए थे।

अजब-गजब | आइनहैलो है दुनिया का सबसे रहस्यमयी द्वीप

साल में एक बार जाने की है इजाजत

दुनियाभर में मौजूद तमाम आइलैंड अपने आप में सैकड़ों खूबियां और रहस्य समेटे हुए हैं। इन्हीं में से एक आइलैंड है आइनहैलो। स्कॉटलैंड में मौजूद ये आइलैंड भी अपने आप में रहस्यमयी है। ये आइलैंड स्कॉटलैंड में मौजूद है। दिल के आकार का ये आइलैंड देखने में बेहद ही खूबसूरत है। लेकिन हैरानी की बात ये है कि यहां साल में सिर्फ एक दिन ही लोगों को जाने की इजाजत मिलती है। यानी साल के 365 दिनों में सिर्फ एक दिन ही लोग इस आइलैंड पर जा सकते हैं। बाकी के 364 दिन इस आइलैंड पर किसी भी व्यक्ति का आना मना है।

दरअसल, आइनहैलो द्वीप के रहस्यमयी होने की वजह आइनहैलो आइलैंड आकार में इतना छोटा है कि इसे नक्शे में ढूंढ पाना भी बहुत मुश्किल है। यह द्वीप मेनलैंड, ओर्कने और रौसय के बीच 75 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। लेकिन इस द्वीप को लेकर कई रहस्यमयी कहानियां प्रचलित हैं। ऐसा माना जाता है कि आइनहैलो आइलैंड पर भूत-प्रेतों का निवास है। जिस पर बुरी आत्माओं का साया है। अगर कोई भी व्यक्ति इस द्वीप पर आने की कोशिश करता है तो ये बुरी आत्माएं द्वीप को हवा में गायब कर देती हैं। स्कॉटलैंड के हाईलैंड्स यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डेन ली बताते हैं कि इस आइलैंड पर हजारों साल पहले लोग रहा करते थे, लेकिन साल 1851 में इस द्वीप पर प्लेग की महामारी फैल गई। उसके बाद लोग अपनी-अपनी जान बचाकर इस द्वीप को छोड़कर चले गए। जिसके बाद से यह द्वीप बिल्कुल वीरान पड़ा हुआ है। इस द्वीप पर आपको कई पुरानी इमारतों के मलबे दिखाई देंगे। पुरातत्वविदों के मुताबिक, आइनहैलो की खुदाई में पाषाण काल की दीवारें और भी कई वस्तुएं मिल जाती हैं। जिसके आधार पर इतिहासकार यहां हजारों साल पहले शहर के होने का दावा करते हैं।

बता दें कि आइनहैलो द्वीप, ओर्कन आइलैंड से केवल 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। जहां लोग रहते हैं लेकिन इसके बावजूद आइनहैलो द्वीप पर आना आसान नहीं होता। क्योंकि इस आइलैंड पर आने की लोगों को इजाजत ही नहीं मिलती। यही नहीं नदियों के बीच बसे इस द्वीप पर पहुंचने के लिए आपको तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सबसे मुश्किल बात ये है कि इन नदियों में इतने ज्यादा ज्वार-भाटे आते हैं जिनसे नावों के रास्तों में रुकावट पैदा होती है, हालांकि ओर्कने हेरिटेज सोसाइटी हर साल जुलाई में एक यात्रा आयोजित करती है। जिसके जरिये आइनहैलो पर विजिटर घूमने जा सकते हैं। यही वजह है कि इस आइलैंड पर साल में सिर्फ एक बार ही जाने की इजाजत मिलती है।

आदिवासियों ने कारीगरी कर जहरीले पौधों से बना डाले सुंदर हाथी

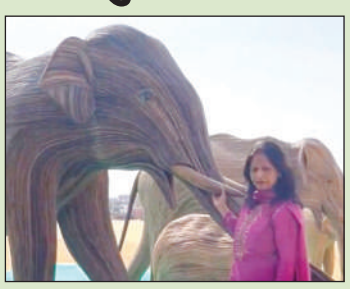

आदिवासियों की बुद्धिमत्ता, उनकी बहादुरी की कहानियां तो हम सबने सुनी हैं। पर तमिलनाडु के आदिवासियों ने जो किया वह हम सबको इंस्पायर्ड करने वाला है। जो पौधा जंगल और जंगली जीवों के लिए जहरीला था, यानी जिसको खाने के बाद जानवरों की मौत हो जाती थी, जमीन बंजर हो जाती थी, उन पौधों को इकट्ठा कर उससे सुंदर हाथियां बना डालीं। हाल ही में चेन्नई के इलियट समुद्र तट पर इनकी प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। आईएएस अधिकारी सुप्रिया साहू IAS officer Supriya Sah ने एक वीडियो शेयर कर इसकी जानकारी दी। ट्वीट में उन्होंने लिखा, मुदुमलाई के 70 आदिवासियों ने लैंटाना वीड से इन खूबसूरत हाथियों को बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। तमिलनाडु में हमने अब तक 1200 हेक्टेयर से लैंटाना कैमारा, प्रोसोपिस और अन्य जहरीले पौधों को जंगल से #TNForest हटा दिया है। IAS officer ने बताया कि हाथियों की प्रतिकृति आदिवासी समुदायों के सदस्यों द्वारा बनाई गई थीं, जो एक गैर-लाभकारी संगठन, शोला ट्रस्ट के सहयोग से मुदुमलाई नेशनल पार्क के पास रहते हैं। वीडियो शेयर करते ही लोगों ने जबरदस्त प्रतिक्रिया दी और आदवासियों की कारीगरी की तारीफ की। अब तक76 हजार बार इस वीडियो को देखा जा चुका है। करीब तीन हजार लोगों ने लाइक किया है। आईएएस सुप्रिया साहू के पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक ट्विटर यूजर ने लिखा, यह एक सराहनीय प्रयास है! समुदाय के साथ सही इरादे और जुड़ाव के साथ, हम अपनी कई जटिल संरक्षण चुनौतियों को जमीन पर हल कर सकते हैं। इन्हें देखकर आश्चर्य सा लगता है। इसे साझा करने के लिए धन्यवाद @supriyasahuias। एक अन्य यूजर ने लिखा, शानदार कारीगरी मैडम। यह शानदार है.. इसकी सुंदरता बरकरार रहनी चाहिए। वेस्ट को वेल्थ में बदलने की कला में ये लोग माहिर होते हैं। उन्हें प्रणाम। एक शख्स ने लिखा, क्या खूब मनमोहक रचना है। मैं सभी क्रिएटिव माइंड को सलाम करता हूं, उन्होंने बेकार सामग्री का इस्तेमाल किया।

वरुण की विचारधारा से मेरा मेल नहीं खाता : राहुल गांधी

वह आरएसएस ऑफिस जाते हैं, मुझे इसके लिए गला कटवाना मंजूर पर नहीं जाऊंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । भारत जोड़ो यात्रा के दौरान होशियारपुर पहुंचे राहुल गांधी ने चचेरे भाई वरुण गांधी से मिलने की संभावना से साफ इनकार किया। परिवार को जोड़ने के सवाल पर राहुल ने कहा कि वरुण गांधी बीजेपी में हैं, मेरी विचारधारा उनकी विचारधारा से मेल नहीं खाती। मैं आरएसएस कार्यालय नहीं जा सकता, इससे पहले मुझे सिर कलम करना होगा। मेरे परिवार की एक विचारधारा है। वरुण ने दूसरी विचारधारा अपनाई और मैं उस विचारधारा को स्वीकार नहीं कर सकता।

होशियारपुर में राहुल गांधी ने एक बार फिर भगवंत मान सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पंजाब को पंजाबी कल्चर के अनुसार ही चलाना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी यात्रा नफरत, हिंसा और बेरोजगारी के खिलाफ हे। 2024 में राम मंदिर खोलने और चुनाव के सवाल पर राहुल ने कहा कि हम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलते जाएंगे। राहुल ने कहा कि देश के संस्थानों पर भाजपा और आरएसएस का कब्जा हो गया है।

हिमाचल सरकार को देना होगा वक्त

हिमाचल सरकार द्वारा वेट बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम सीएम पर प्रेशर नहीं डालते। उन्हें थोड़ा वक्त दीजिए। नवजोत सिद्धू के बाकी नेताओं से विवाद पर राहुल ने कहा कि ये आसानी से मैनेज होने वाले इश्यू हैं। इस विवाद के कारण चुनाव हारने पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के खिलाफ एंटी इनकंबेसी थी। अगली बार हम सरकार बनाएंगे।

निष्पक्ष और स्वतंत्र होना चाहिए मीडिया

मीडिया पर राहुल गांधी ने कहा कि गोदी मीडिया मेरा मुहावरा नहीं है। मैं पत्रकारों की आलोचना नहीं करता, लेकिन मैं मीडिया की संरचना की आलोचना करता हूं। मुझे निष्पक्ष और स्वतंत्र मीडिया चाहिए।

सुरक्षा चूक पर कहा ऐसा होता रहता है

एक व्यक्ति के सुरक्षा घेरा तोड़कर उन्हें गले लगाने पर सुरक्षा चूक के सवाल पर राहुल ने कहा कि ये सुरक्षा चूक नहीं थी। ऐसा होता रहता है। वो व्यक्ति उत्साह में आ गया था। नशे के मुद्दे पर राहुल ने कहा कि बेरोजगारी और किसानों का मुद्दा सुलझाने से नशे की समस्या भी सुलझेगी। आप सरकार पंजाब को विजन नहीं दे पा रही। कांग्रेस सरकार आने पर पंजाब को विजन मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोगों में भाजपा सरकार के खिलाफ रोष है।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष के बेटे ने छात्र को पीटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। हैदराबाद के एक निजी कॉलेज में एक साथी छात्र के साथ कथित तौर पर मारपीट करने के आरोप में तेलंगाना भाजपा प्रमुख बंदी संजय कुमार के बेटे के खिलाफ कल मामला दर्ज किया गया। कथित मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद महिंद्रा विश्वविद्यालय द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर संजय कुमार के बेटे बंदी भागीरथ साई के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपी और पीड़ित दोनों छात्र महिंद्रा विश्वविद्यालय में ही पढ़ते हैं।

वायरल वीडियो में भागीरथ, कॉलेज परिसर में एक व्यक्ति को बार-बार थप्पड़ मारते दिख रहे हैं, एक अन्य व्यक्ति, जाहिर तौर पर भागीरथ का दोस्त, भी छात्र के साथ मारपीट करता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरे वीडियो में भागीरथ और लगभग पांच-छह अन्य छात्रों ने श्रीराम को उसके छात्रावास के कमरे में गाली और पिटाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं। भागीरथ, अपने दोस्तों से घिरे हुए, श्रीराम के चेहरे पर मुक्का मारते हुए दिखाई देते हैं। बाद में अन्य लोगों ने भी छात्र के साथ मारपीट की। सूत्रों का कहना है कि भागीरथ साई ने दावा किया है कि श्रीराम ने उसके सहपाठी की बहन के साथ दुर्व्यवहार किया था। देर शाम बंदी संजय कुमार के कार्यालय ने एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें श्रीराम कबूल करते नजर आ रहे हैं कि उन्होंने लड़की के साथ गलत व्यवहार किया था, इसलिए उन्हें भागीरथ और कुछ अन्य छात्रों ने पीटा था। श्रीराम ने दावा किया कि यह घटना करीब दो महीने पहले हुई थी और उसके बाद उन्होंने समझौता कर लिया था, यह बेकार का वीडियो है, कृपया इसका इस्तेमाल बंद करें। राज्य भाजपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि यह मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की राजनीतिक साजिश थी।

आंध्र प्रदेश में पटरी से उतरीं ट्रेन की कई जनरल बोगियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। विशाखापत्तनम-किरंदुल ट्रेन के एक जनरल कोच के पहिए मंगलवार को कोट्टावलसा-अराकू सेक्शन के शिवलिंगपुरम स्टेशन पर पटरी से उतर गए। रेलवे ने यह जानकारी दी। इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ, जब ट्रेन स्टेशन में प्रवेश कर रही थी तब ऐसा हुआ।

यह कहा गया है कि क्या पटरी से उतरने का कारण खड़ी ढाल खंड, बहुत कठिन इलाका था, या तापमान में गिरावट की जांच की जा रही है। ट्रेन जैसे ही पटरी से उतरी, अधिकारी हरकत में आए और एक दुर्घटना राहत ट्रेन विशाखापत्तनम से शिवलिंगपुरम स्टेशन के लिए रवाना हुई। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अनूप सत्पथी इंजीनियरों की एक

टीम के साथ बहाली कार्यों की निगरानी के लिए साइट पर पहुंचे। पटरी से उतरे डिब्बे को ट्रेन से अलग कर उसके गंतव्य किरंदुल भेज दिया गया। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उसी दिन दोपहर 2 बजे तक बहाली का काम पूरा कर लिया गया था। विशाखापत्तनम-किरंदुल 08551 ट्रेन को अराकू में अपने समय से पहले समाप्त कर दिया गया था, जबकि रिफंड का दावा करने वाले यात्रियों के लिए रिफंड की व्यवस्था की गई थी।

केजरीवाल को कोर्ट से राहत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में राहत नहीं मिली। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने उन्हें आरोपमुक्त करने वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाया है। यह मामला 2014 में लोकसभा चुनाव के दौरान अमेठी की एक जनसभा में भाजपा व कांग्रेस के खिलाफ कथित आपत्तिजनक भाषण का है। जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 125 के तहत यह केस अमेठी के मुसाफि रखाना थाने में दर्ज कराया गया था। इसमें 9 जुलाई, 2014 को निचली अदालत में आरोपपत्र दाखिल हुआ था। इस केस में केजरीवाल ने निचली अदालत में आरोपमुक्त करने की अर्जी पेश की थी।

वसीयत से जुड़े अपने फैसले में बदलाव करेगा सुप्रीम कोर्ट

» 2018 में दिए निर्णय में कहा था-गरिमा के साथ मरना सबका अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मरणासन्न स्थिति में इलाज रोकने की वसीयत करने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट अपने 2018 में जारी दिशा निर्देशों में संशोधन करने पर सहमत हो गया। जस्टिस केएम जोसेफ, जस्टिस अजय रस्तोगी, जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस सीटी रविकुमार की संविधान पीठ ने टिप्पणी

की। उन्होंने कहा कि इलाज रोकने का विकल्प चुनने वाले गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए संबंधित कानून बनाने में विधायिका के पास कहीं ज्यादा कौशल और जानकारी के स्त्रोत हैं।

पीठ ने कहा कि वह खुद को इलाज रोकने की वसीयत करने संबंधी जारी दिशानिर्देशों में थोड़े संशोधनों तक सीमित रखेगा, अन्यथा यह 2018 के फैसले पर पुनर्विचार हो जाएगा।

शीर्ष कोर्ट के प्रभावी आदेश की वजह से इलाज रोकने की वसीयत कराने वालों को काफी मुश्किलें पेश आ रही हैं।

राजद ने विधायक को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। सिंगापुर में स्वास्थ्य-लाभ ले रहे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव तक यह बात पहुंच गई है कि बिहार में महागठबंधन पर उनके नेताओं के बयानों के कारण खतरा मंडरा रहा है। राजद-जदयू में द्वंद्व हो रहा है। इसलिए, अब पूर्व मंत्री सुधाकर सिंह को राष्ट्रीय प्रधान महासचिव की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर कारण बताओ नोटिस (शोकॉज) जारी किया गया है। इस चिट्ठी का मजमून साफ है- महागठबंधन को प्रभावित करने वाला कोई बयान राजद का कोई भी नेता नहीं दे। सुधाकर से 15 दिनों के अंदर जवाब मांगा गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुपस्थिति में राष्ट्रीय प्रधान महासचिव ने उनके निर्देशानुसार यह चिट्ठी जारी की है, इसका मतलब साफ है कि इसके दायरे में राजद

पार्टी नेताओं को उनकी हद दिलाने की कोशिश | राष्ट्रीय प्रधान महासचिव ने दिया कारण बताओ नोटिस

के प्रदेश अध्यक्ष से लेकर कोई भी नेता आएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश का मतलब इसमें पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी दायरे में आएंगे। ऐसे निर्देश के दायरे में नियमानुसार राजद कोटे से डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव समेत सभी मंत्री भी आएंगे, हालांकि इस पत्र के जरिए यह भी याद दिला दिया गया है कि राजद की ओर से किसी भी तरह का बयान देने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद सिर्फ तेजस्वी यादव को ही अधिकृत कर गए हैं।

गठबंधन धर्म की मर्यादा तोड़ने वालों को चेतावनी

चिट्ठी में गठबंधन धर्म की मर्यादा का उल्लंघन किए जाने का जिक्र है। चिट्ठी पूर्व मंत्री सुधाकर सिंह के नाम जारी हुई है, लेकिन पिछले करीब एक सप्ताह से इस तरह का उल्लंघन राजद के प्रदेश अध्यक्ष और सुधाकर सिंह के पिता जगदानंद सिंह भी कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रेशखर, वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी आदि के साथ राजद कोटे के एक-दो मंत्रियों ने भी मुख्यमंत्री के इशारों और सीधे बयानों के बाद भी उनके स्टैंड के खिलाफ बातें की हैं। जदयू इसे लगातार गठबंधन धर्म की मर्यादा का उल्लंघन कह रहा है।

देवभूमि में 'भारत जोड़ो यात्रा' का प्रवेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धर्मशाला। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा अपने आखिरी पड़ाव की ओर बढ़ने से पहले बुधवार को देव भूमि हिमाचल पहुंची। कांगड़ा जिले के इंदौरा के मीलवां के रास्ते इस पदयात्रा ने देवभूमि में एंट्री ली। दिनभर 24 किलोमीटर पदयात्रा के बाद राहुल गांधी पंजाब के मलौट में एक जनसभा को भी संबोधित करके प्रदेश कांग्रेस में जोश भरने का प्रयास करेंगे। हिमाचल में यात्रा शुरू होने से पहले मीलवां में फ्लैग हैंड-ओवर सेरेमनी की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री सुक्खू, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह सहित सुक्खू सरकार के मंत्री, विधायक व कांग्रेस नेता मौजूद रहे। इसके बाद सबसे पहले राहुल गांधी प्राचीन मंदिर काठगढ़ में भगवान शिव की पूजा-अर्चना की उसके बाद फिर यात्रा शुरू की।

भारत जोड़ो यात्रा में किसी तरह की कोई कमी न हो इसके लिये मैदान में बीते दो दिनों से कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू डटे रहे। उन्होंने एक-एक तैयारियों का खुद अवलोकन कर रखा है। इस दौरान पदयात्रा और मलौट में होने वाली जनसभा में लोगों की संख्या जुटाने को लेकर भी पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिये गये हैं।

24
किमी. आज चलेंगे पैदल काठगढ़ मंदिर में की पूजा

घर-घर देंगे राहुल का संदेश

कांगड़ा के मलौट में होने वाली जनसभा में राहुल गांधी जो संदेश देंगे, हिमाचल कांग्रेस के नेता उसे 26 जनवरी से शुरू हो रहे 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' के तहत घर-घर तक ले जाएंगे। इस यात्रा को लेकर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं में जबरदस्त उत्साह है। भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर प्रदेश में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू हो रहा है।

हिमाचल से पठानकोट जाएगी पदयात्रा

कन्याकुमारी से शुरू हुई राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा लगभग 3200 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद हिमाचल प्रदेश पहुंच चुकी है। जनसभा के बाद भारत जोड़ो यात्रा पठानकोट में प्रवेश करेगी। रात्रि विश्राम भी वहीं होगा। यहां से जम्मू कश्मीर की ओर बढ़ेगी। 7 सितंबर को कन्याकुमारी से हुई शुरू भारत जोड़ो यात्रा के लिए लोगो, टैगलाइन और वेबसाइट बीते साल 23 अगस्त को लॉन्च किए गए थे। 7 सितंबर को कन्याकुमारी से यात्रा शुरू हुई। लगभग 150 दिन में करीब 3,500 किमी का सफर तय करने का टारगेट है, यह पदयात्रा 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेश को कवर करते हुए श्रीनगर में खत्म होगी। राहुल गांधी के मुताबिक, इस पदयात्रा का मकसद भाजपा सरकार की विभाजनकारी नीतियों के खिलाफ देश को एकजुट करना है। देश में फैलाई जा रही नफरत, हिंसा को दूर करना, जनता के मन से भय को दूर करना, महंगाई व बेरोजगारी को लेकर जागरूक करना है।

अश्लीलता फैलाने का आरोपी युवक गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी। लखनऊ के हजरतगंज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक देखा जा रहा है कि एक कपल चलती स्कूटी पर एक दूसरे को किस कर रहा है। लड़की युवक की गोद में पीछे की तरफ मुंह करके बैठी है। मामले में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। युवक पर मोटर व्हीकल एक्ट और अश्लीलता फैलाने के आरोप में कार्रवाई की जाएगी। कपल का वीडियो इनके पीछे चल रहे लोगों ने बनाकर सोशल मीडिया पर डाला था। वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस सीसीटीवी कैमरे की मदद से युवक को ढूढ़ने में कामयाब रही। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि हजरतगंज चौराहे के पास एक युवक-युवती स्कूटी पर यातायात नियम तोड़ते निकल रहे हैं। स्कूटी चला रहे युवक की गोद में बैठी युवती युवक को किस करते नजर आ रही है।

फोटो: 4 पीएम

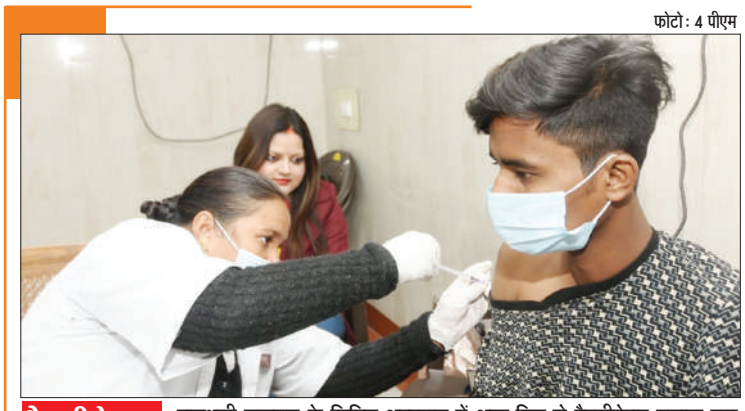

वैक्सीनेशन राजधानी लखनऊ के सिविल अस्पताल में आज फिर से वैक्सीनेशन चलाया गया जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

नागालैंड-मेघालय और त्रिपुरा में चुनावी शंखनाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चुनाव आयोग आज दोपहर 2:30 बजे प्रेसवार्ता करेगा। संभव है कि प्रेसवार्ता में चुनाव आयोग की ओर से नागालैंड, मेघालय और त्रिपुरा में होने वाले विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होगी।

कयास लगाए जा रहे हैं कि त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड में इस बार भी चुनाव आयोग एक साथ चुनाव करा सकता है। आयोग ने तीनों राज्यों में चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। अब कभी भी इन राज्यों की विधानसभा चुनाव के लिए आयोग तारीखों का एलान कर सकता है। आयोग ने तीनों राज्यों की 180 विधानसभा सीटों पर प्रशासनिक और जमीनी चुनावी तैयारियों का आकलन कर उन्हें अमली जामा पहना दिया है। इनकी विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च में खत्म हो रहा है।

दिल्ली विधानसभा में विधायक ने लहराई नोटों की गड्डियां

सदन में हंगामा

» आप ने लगाए अस्पताल में कर्मचारियों को नौकरी देने के मामले में घूस लेने के आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र के तीसरे दिन भी सदन में भाजपा और आम आदमी पार्टी के विधायकों का हंगामा जारी है। एक ओर जहां भाजपा यमुना सफाई के मुद्दे पर चर्चा कराना चाहती है, वहीं आप विधायक भ्रष्टाचार को लेकर चर्चा चाहते हैं। आम आदमी पार्टी के विधायक महेंद्र गोयल ने रिश्वत देने का आरोप लगाया। वह रिश्वत के तौर पर मिले रुपए की गड्डी लेकर सदन में पहुंचे।

आम आदमी पार्टी के विधायक महेंद्र गोयल ने रिश्वत देने का आरोप लगाया। वह रिश्वत के तौर पर मिले रुपए की गड्डी लेकर सदन में पहुंचे। महेंद्र गोयल ने कहा कि रोहिणी स्थित अंबेडकर अस्पताल में कर्मचारियों को नौकरी देने के मामले में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है और यह कर्मचारी लोगों का इलाज करने के दौरान रिश्वत मांगते हैं। उन्होंने इस संबंध में जब कई जगह शिकायत की तो संबंधित कंपनी ने उनको चुप रहने के लिए रिश्वत देने का ऑफर किया। उन्होंने बताया कि इस मामले का खुलासा करने के लिए उन्होंने कंपनी के साथ बातचीत की और उन्होंने मुझे कुछ रुपए रिश्वत के तौर पर दिए।

बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवा ढहाएगी सितम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के कई इलाकों में शीतलहर के बीच एक और मुसीबत आ सकती है। दरअसल, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले सप्ताह उत्तर पश्चिम भारत में हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश और ओलावृष्टि की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने अगले सप्ताह हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी और बारिश के साथ तापमान में गिरावट की भी भविष्यवाणी की है।

उत्तर भारतीय राज्यों में न्यूनतम तापमान 1 से 3 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, नवंबर और दिसंबर में मजबूत पश्चिमी विक्षोभ की कमी के कारण इस सर्दी के मौसम में दिल्ली में अब तक बारिश नहीं हुई है। 23 और 24 जनवरी को जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान में छिटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम ओलावृष्टि होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 23-24 जनवरी को कभी-कभी 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है।

कोहरे से कई ट्रेनें लेट

घने कोहरे के कारण कम दृश्यता ट्रेन और उड़ान सेवाओं को बाधित कर रही है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आज उत्तर रेलवे की करीब छह ट्रेनें देरी से चल रही हैं और कई उड़ानें देरी से चल रही हैं।

प्रदेश में पड़ सकता है पाला

लखनऊ। बर्फीली हवाओं के चलते प्रदेश के अधिकांश इलाके अभी भी गलन भरी ठंड की चपेट में हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मौसम में बदलाव बृहस्पतिवार रात से होना शुरू हो सकता है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में जहां भी न्यूनतम तापमान 4 डिग्री या उससे कम दर्ज हो रहा है, वहां पाला पड़ने के आसार हैं। इन सबके बीच मंगलवार को मुजफ्फरनगर में दिन का न्यूनतम पारा 1.7 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि कानपुर में ये दो डिग्री दर्ज हुआ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।